AI और सामाजिक बदलाव

Vinod Kumar Kumawat, Research Scholars, Shri Khushal Das University, Hanumangarh, Rajasthan

वर्तमान समय पुरा देश एक नई तकनीक की तरफ अग्रसर हो रहा है जिसको AI या कृत्रिम बुद्विमता के नाम से जाना जाता है। AI तकनीक ने आधुनिक समाज में व्यापक बदलाव लाने की क्षमता को साबित किया है जो समाज के हर वर्ग के साथ–साथ समाज के हर क्षेत्र पर अपना व्यापक प्रभाव छोडा है जिसके कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय, रोजगार तथा सामाजिक संरचना पर प्रभाव पडा है।

AI का प्रभाव :–

1. रोजगार के क्षेत्र में AI ने उधोगों में कार्यप्रणाली को स्वचालित कर दिया है, जिससे कुछ पारम्परिक रोजगार समाप्त हो रहा है। इसके कारण नये रोजगार के साधन विकसित किये जा रहे है। जैसे कि डेटा साइंटिस्ट, AI इंजीनियर और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ की मांग बढ रही है। श्रमिकों को नये–नये कौशल विकसित करने के कार्य करना पड रहा है।
2. शिक्षा में AI आधारित शिक्षण प्लेटफॉर्म छात्रों को उनकी क्षमताओं के अनुसार शिक्षा प्रदान कर रहे है। जैसे कि स्मार्ट क्लास व पर्सनलाइज्ड लर्निंग सिस्टम इत्यादि। भाषा अनुवाद उपकरण और वर्चुअल टयुटर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचा रहे है।
3. स्वास्थ्य सेवाओं में भी AI का बहुत ज्यादा महत्व है क्योंकि AI चालित उपकरण और तकनीके, जैसे रोबोटिक सर्जरी, डायग्नोस्टिक सिस्टम और हेल्थ मॉनिटरिंग ऐप, स्वास्थ्य सेवाओं को ओर अधिक सटीक और सुलभ बना रहे है।
4. AI तकनीक सामाजिक संरचना पर प्रभाव ज्यादा डाल रही है। सामाजिक असमानताओं को कम करने में मदद मिल सकती है जैसे कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों डिजिटल डिवाइस को बढा भी सकता है अगर गरीब और वंचित वर्ग AI तक पहुच प्राप्त न कर सके।
5. AI तकनीक नैतिक और गोपनीयता से जुडे हुये मुद्दे भी सामने आ रहा है क्योंकि यह तकनीक बडी मात्रा में डेटा संग्रह करता है जिससे गोपनीयता और डेटा सुरक्षा के सवाल उठते है।

भविष्य में AI और समाज

- AI समाज को अधिक कुशल और समृद्व बना सकता है, लेकिन इसके लिए सही नीतियां और दिशा–निर्देश जरूरी है।
- समाज को AI के उपयोग में नैतिकता और इंसानियत को ध्यान में रखकर कार्य करना अधिक सुरक्षित होगा।
- AI एक क्रांति के रूप में विश्व पटल पर कार्य कर रहा है इसके नकारात्मक तथा सकारात्मक दोनों प्रभाव पड रहे है। लेकिन सकारात्मक प्रभाव तभी पडेगा जब इसका संतुलित और समावेशी तरीके से कार्य में लिया जायेगा।